भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-4129
उत्तर दिनांक 12/08/2026 को दिया गया

परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की तृतीय-पक्ष सुरक्षा संपरीक्षा

4129. श्री बी. मणिक्कम टैगोर

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या कुडनकुलम सहित भारत में स्थित परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का आवधिक भेद्यता आकलन और तृतीय-पक्ष सुरक्षा संपरीक्षा करायी जाती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसका अनुपालन निगरानी प्रणाली तंत्र क्या है;

(ख) क्या सरकार ने परमाणु ऊर्जा स्टेशनों पर भौतिक सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की है, जिसमें ड्रोन, साइबर हमलों और तोड़-फोड़ के प्रयासों जैसे उभरते खतरों से सुरक्षा शामिल है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या विगत तीन वर्षों के दौरान भारतीय परमाणु अवसंरचना को निशाना बनाने वाले किसी विदेशी साइबर खतरे या संदिग्ध राज्य-प्रायोजित प्रयासों का पता चला है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके पश्चात् क्या निरोधात्मक उपाय लागू किए गए हैं;

(घ) क्या सरकार ने कुडनकुलम और अन्य परमाणु ऊर्जा स्टेशनों के आसपास स्थानीय प्रशासन, सुरक्षा एजेंसियों और परमाणु संयंत्र प्राधिकरणों को शामिल करते हुए आपातकालीन तैयारी अभ्यास आयोजित किए हैं और यदि हां, तो इनका ब्यौरा क्या है तथा पुनरावृत्ति क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का परमाणु ऊर्जा संयंत्रों और अन्य महत्वपूर्ण ऊर्जा अवसंरचना को साइबर, भौतिक और प्रौद्योगिकीय खतरों से बचाने के लिए किसी नए राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे का प्रस्ताव है, जिसमें भविष्य की निवेश आवश्यकताएं भी शामिल हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) हां। नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त उपाय लागू किए गए हैं। कुडनकुलम सहित सभी नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थलों पर आंतरिक रूप से और एईआरबी द्वारा समय-समय पर संरक्षा मूल्यांकन किया जाता है। इसके अलावा, नाभिकीय विद्युत संयंत्रों का मूल्यांकन बाहरी सरकारी एजेंसियों द्वारा भी किया जाता है। किए गए अवलोकनों की समीक्षा की जाती है; निगरानी की जाती है और अनुपालन के लिए आवश्यक उन्नयन किए जाते हैं।

(ख) हां। सभी नाभिकीय विद्युत संयंत्रों में, अत्याधुनिक संरक्षा उपाय लागू किए गए हैं। अन्य प्रावधानों के अलावा, सभी प्रचालित नाभिकीय विद्युत संयंत्रों में इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा और निगरानी प्रणालियाँ जैसे

परिधि घुसपैठ संसूचन प्रणाली, अभिगम नियंत्रण प्रणाली, एक्स-रे सामान निरीक्षण प्रणाली, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली आदि मौजूद हैं। इन प्रणालियों को नाभिकीय विद्युत संयंत्रों के एक अभिन्न अंग के रूप में लागू किया गया है। परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) सभी नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की नाभिकीय संरक्षा का नियामक निरीक्षण भी करता है।

(ग) परमाणु संस्थापनाओं की साइबर संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। साइबर खतरों का पता लगाने और संभालने के लिए निरंतर निगरानी और निगरानी क्रियाविधि मौजूद हैं। अभिगम नियंत्रण, नियमित सुरक्षा ऑडिट, भेद्यता आकलन, घटना प्रतिक्रिया तंत्र और क्षमता-निर्माण कार्यक्रमों सहित उचित निवारक और सुरक्षात्मक उपाय लागू किए गए हैं। इसके अलावा, सीईआरटी-इन (CERT-in) उभरते साइबर खतरों और भेद्यता पर चेतावनी और परामर्श जारी करके, प्रभावित संगठनों के लिए घटना प्रतिक्रिया और परामर्शी उपचारात्मक उपायों का समन्वय करके और राष्ट्रीय साइबर समन्वय केंद्र (एनसीसीसी) का संचालन करके राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा स्थिति को बढ़ाता है।

(घ) व (ङ) हां। कुडनकुलम सहित सभी नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थलों पर नियामक प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित आपातकालीन तैयारी योजनाएं (ईपीपी) लागू की गई हैं। स्थानीय प्रशासन, सुरक्षा एजेंसियों और नाभिकीय संयंत्र प्राधिकरणों सहित विभिन्न हितधारकों को शामिल करते हुए समय-समय पर अभ्यास भी किए जाते हैं। अभ्यासों से प्राप्त प्रतिपुष्टि का उपयोग आपातकालीन तैयारी योजनाओं को मान्य करने और बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। वर्तमान में, ऑफ-साइट आपातकालीन तैयारी अभ्यास जैसे टेबल टॉप, एकीकृत कमांड, नियंत्रण एवं अनुक्रिया (आईसीसीआर) और पूर्वाभ्यास क्रमशः दो वर्ष में एक बार, तीन वर्ष में एक बार और एनडीएमए कार्यक्रम के अनुसार किए जाते हैं। एनपीपी प्राधिकरण नियमित रूप से निर्धारित अंतराल पर अभ्यास कर रहे हैं। कुडनकुलम एनपीपी स्थल पर आईसीसीआर अभ्यास 15 अप्रैल 2025 को आयोजित किया गया। अन्य सभी एनपीपी स्थलों ने भी सितंबर, 2024 से अब तक हाल ही में अपने आईसीसीआर अभ्यास आयोजित किए हैं। कल्पाक्कम स्थल के लिए, ऑफ-साइट आपातकालीन अभ्यास 17 जुलाई 2026 को आईसीसीआर (एकीकृत कमांड, नियंत्रण और अनुक्रिया) मोड में पीएफबीआर से शुरू होने वाले कार्यक्रम के साथ आयोजित किया गया है और इस अभ्यास में जिला प्रशासन की भागीदारी शामिल है।

*****